मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दंत चिकित्सा संकाय ने सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से ऑरल कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन किया; ऑरल कैंसर स्क्रीनिंग में कृत्रिम मेधा अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित किया गया

नई दिल्ली, 9 मई, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दंत चिकित्सा संकाय ने ऑरल पैथोलॉजी विभाग, सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से 21 अप्रैल और 3 मई 2025 को राजस्थान के भिवाड़ी में ऑरल स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया जिसका शीर्षक था "कृत्रिम मेधा के साथ स्वास्थ्य सेवा राष्ट्रीय कार्यक्रमों को मजबूत करना और स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाना: ऑरल कैंसर स्क्रीनिंग"।

इस शोध परियोजना में भाग लेने वाले प्रतिष्ठित संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली, भारत, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, आईआईटी दिल्ली, सीसीएएमपी, बेंगलुरु और ई-हेल्थ हैं। इस परियोजना का शुभारंभ डॉ. दीपिका मिश्रा, एडिशनल प्रोफेसर, ऑरल पैथोलॉजी विभाग, सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली ने विभाग के अन्य संकाय सदस्यों और शोधार्थियों के साथ मिलकर किया जिससे ऑरल स्वास्थ्य के महत्व को समझा जा सके, लोगों को ऑरल स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित और संवेदनशील बनाया जा सके तथा ऑरल कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाई की जा सके।

जागरूकता कार्यक्रम ने ऑरल कैंसर की जांच में कृत्रिम मेधा अनुप्रयोगों के महत्व पर रोशनी डाली और रोगियों को वर्तमान समय में विश्व भर में वकालत की जा रही नवीन तकनीकों के बारे में जागरूक किया।

ऑरल कैंसर का प्रारंभिक पता लगाना ऑरल घातक बीमारियों के बोझ से निपटने में महत्वपूर्ण रहा है। छवियों की व्याख्या करने और प्रारंभिक अवस्था में ऑरल कैंसर की नैदानिक सटीकता में सुधार करने के लिए आईआईटी, दिल्ली और आईआईएससी, बैंगलोर के सहयोग से श्वेत रोशनी पर आधारित स्मार्टफोन एप्लिकेशन आरोग्य आरोहण ऐप विकसित किया गया था। इस ऐप का उपयोग रोगियों की जांच करते समय कुशलतापूर्वक किया गया जो कृत्रिम मेधा अनुप्रयोगों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने तथा स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने के परियोजना के उद्देश्य के साथ संरेखित था।

परियोजना वैज्ञानिक डॉ. तनुराग पटनायक ने भारत में ऑरल कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के महत्व का परिचय दिया और प्रारंभिक निदान के लिए उच्च जोखिम वाली आबादी की जांच से जुड़े कई दूसरे लाभों पर बल दिया। डॉ. (प्रो.) विवेक मेहता ने इस जागरूकता अभियान के माध्यम से विश्व भर के विभिन्न क्षेत्रों में संभावित उपचार विकल्पों और ऑरल कैंसर को कम करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने समीपवर्ती स्थानों में मल्टीस्पेशलिटी अस्पतालों में रेफरल के माध्यम से ऑरल कैंसर के उपचार के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण की वकालत की।

शिविर में शामिल 150 से अधिक व्यक्तियों की आरोग्य आरोहण ऐप का उपयोग करके व्यक्तिगत रूप से जांच की गई तथा मूलभूत ऑरल स्वच्छता किट को वितरित किया गया एवं नुस्खे बताए गए। उन्होंने इस

आयोजन में अपनी रुचि व्यक्त की और सुझाव दिया कि जागरूकता बढ़ाने और कारखाने के श्रमिकों के बीच स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए नियमित अंतराल पर इस प्रकार के ऑरल कैंसर जागरूकता अभियान आयोजित किए जाने चाहिए।

भिवाड़ी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव सहित सभी हितधारकों ने इस पहल के लिए कृतज्ञता ज्ञापित किया और भविष्य में ऐसे शिविर आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की जो उनके कर्मचारियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायता करेंगे।

प्रो साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया